प्रशिक्षण कार्यक्रम

एम0ए0 गृह विज्ञान विद्यार्थियों हेतु

दिनांक 15 दिसम्बर, 2021 से दिनांक 15 जनवरी, 2022

प्रशिक्षण प्रतिवेदन

आयोजक–दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ।

मार्ग निर्देशन

शोध एवं मूल्यांकन प्रभाग

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान,
बख्शी का तालाब, लखनऊ।

प्रस्तुकर्ता

एम0ए0 गृह विज्ञान
अन्तिम वर्ष विद्यार्थी
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला
महाविद्यालय अलीगंज, लखनऊ।

आभार

सर्वप्रथम सभी छात्राएं नेताजी सुभाष चन्द्र राजकीय महाविद्यालय, एम0ए0 गृह विज्ञान विस्तार शिक्षा अन्तिम वर्ष की राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, के महानिदेशक एवं अपर निदेशक, महोदय के प्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करना अपना मानवीय नैतिक धर्म समझाते है। क्योकि उन्होने हमे यह सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया कि हम उत्तर प्रदेश राज्य के एक सर्वोच्चय प्रशिक्षण संस्थान में 01 माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रहण कर सकें, साथ ही हम अपने महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, तथा गृह विज्ञान विभाग की अध्यापिका डॉ0 शिवानी जी, के प्रति भी हृदय से आभारी है, जिनके प्रयास हमें दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ, में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राप्त करने का मौका मिला।

हम संस्थान के शोध एवं मूल्यांकन प्रभाग के प्रभारी श्री अनुज श्रीवास्तव उप निदेशक, तथा श्री अलोक कुशवाहा शोध अधिकारी को हृदय से धन्यवाद करते है। प्रशिक्षण के दौरान समय–समय इनका मार्ग निर्देशन तथा आर्शीवाद प्राप्त होता रहा तथा सभी वार्ताकारों को हृदय से अभार प्रकट करते है, जिन्होने प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने विषय पर वार्ताएं प्रदान कर हम सभी छात्राओं का ज्ञानवर्धन किया तथा व्यवाहारिक ज्ञान प्रदान किया।

अन्त में विशेष रूप डॉ0 नवीन सिन्हा, डॉ0 विनीता सिंह तथा श्री प्रतिमेश जी, सभी के प्रति हृदय से कृतज्ञता ज्ञापित करते है जिनके स्नेह सहयोग एवं मार्ग निर्देशन से हम सभी छात्राएं यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक पूर्ण कर सके।

एम0ए0 गृह विज्ञान

अन्तिम वर्ष
समस्त छात्राएं

प्रशिक्षण कार्यक्रम

एम0ए0 अन्तिम वर्ष (गृह विज्ञान–विस्तार शिक्षा)

विद्यार्थियों हेतु अवधि दिनांक 15 दिसम्बर, 2021 से 15 जनवरी, 2022)

दिनांक 15.12.2021 प्रथम दिवस को सर्वप्रथम सभी प्रतिभागियों/विद्यार्थियों का पंजीकरण कराया गया उसके पश्चात् औपचारिक रूप से सभी विद्यार्थियों का परिचय हुआ तत्पश्चात् डॉ0 डी0सी0 उपाध्याय जी अपर निदेशक, द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम औपचारिक रूप से प्रारम्भ किया गया तथा उनका सम्बोधन हुआ उन्होने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनायें व आशीष वचन प्रदान किया।

तत्पश्चात् श्री अनुज कुमार श्रीवास्तव, प्रशिक्षण सहायक आयुक्त के द्वारा दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब, लखनऊ के बारे में विस्तार सें सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की जिसका सक्षिप्त विवरण निम्न है–

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान प्रशिक्षण शोध तथा परामर्शी गतिविधियों के लिये कृषि उत्पादन आयुक्त उ0प्र0 की अध्यक्षता में गठित प्रबन्धन परिषद के अधीन एक शीर्ष संस्था के रूप में कार्य कर रहा है, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, की स्थापना 01 अप्रैल, 1982 को हुई।

कार्य क्षेत्र/उद्देश्य

- प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए ग्राम्य विकास से सम्बन्धित सभी विभागों की शीर्ष/नोडल संस्था के रूप में कार्य।
- त्रिस्तरीय पंचायतीय राज व्यवस्था में निर्वाचित प्रतिनिधियों में क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना।
- राज्य स्तरीय सेमिनार, गोष्ठियों तथा कार्यशालाओं का आयोजन।

संस्थान के संकाय एवं प्रभाग

- ग्रामीण विकास प्रशासन
- ग्रामीण प्रौद्योगिकीय।
- भूमि संरक्षण एवं जल प्रबन्धन
- महिला एवं बाल विकास एवं पोषण
- मानव संसाधन विकास
- कृषि एवं पशुपालन
- परियोजना प्रबन्धन

- अर्थशास्त्र, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन
- शोध एवं मूल्यांकन प्रभाग
- पुस्तकाल एवं प्रलेखन प्रभाग

क्षेत्रीय/जिला ग्राम्य विकास संस्थानों का नेटवर्क

राज्य ग्राम्य विकास संस्थान के अधीनस्थ 17 क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान तथा 33 जिला ग्राम्य विकास संस्थान कार्यरत हैं।

दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान का संघात्मक ढाँचा।

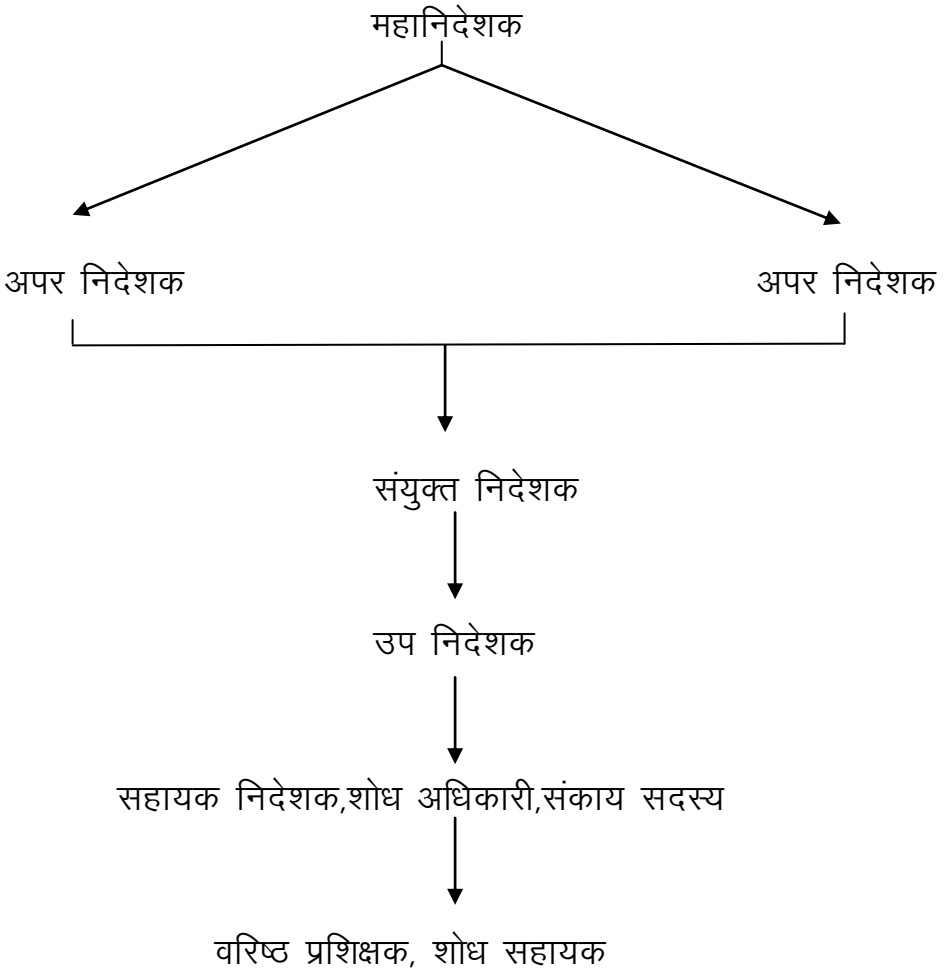

दिनांक 15.12.2021 अपरान्ह प्रथम दिवस :–

दिनांक 15.12.2021 को वार्ताकार श्रीमती नीरजा गुप्ता, उप निदेशक द्वारा मनरेगा के तहत होने वाले कार्यों तथा विभिनन योजनाओं के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया गया और उनके मुख्य बिन्दु विभिन्न बताये गये जिनका सक्षिप्त विवरण निम्नवत् हैः–

''ग्रामीण विकास कार्यक्रम एवं योजनाओं का परिचय''

मनरेगा की शुरूआत–वर्ष 2005 में यू0पी0ए0 सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम पारित किया था। पहले इस योजना का नाम NREGA था जिसे 02 अक्टूबर, 2009 को MNREGA कहा गया।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष में किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराती है जो प्रतिदिन 220 रू0 की सार्वजनिक न्यूनतम मजदूरी पर सार्वजनिक कार्य सम्बन्धित अकुशल मजदूरी करने के लिये तैयार है।

मनरेगा के तहत होने वाले कार्य कुल 29 कार्य है जैसेः–

- भूमि विकास।
- कुआ–तालाब खुदाई।
- बंजर भूमि का विकास।
- नहर बांध, तटीय बेल्ट निर्माण।
- आवास निर्माण कार्य।
- मार्ग निर्माण।
- चकबंदी कार्य इत्यादि।

मनरेगा के अन्तर्गत आने वाली योजनायें।

- **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना–(PMGSY)**

PMGSY की शुरूआत दिसम्बर, 2000 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजापाई जी द्वारा की गई। इसके अन्तर्गत 1,25.00 कि0मी0 लम्बी सड़के बनाई जायेगी जो कि सभी ग्रामीण क्षेत्रों को जिलों व शहरों से जोड़ती हुई सड़कों का निर्माण किया जायेगा।

- **सांसद आदर्श ग्राम योजना–(SAGY)**

SAGY के तहत देश की सभी संसदों को एक साल हेतु एक गाँव को गोद लेकर वहाँ विकास कार्य करवाये।

SAGY गाँव के बुनियादी सुविधाओं के साथ ही खेती, पुशपालन, कुटीर–उद्योग रोजगार आदि पर जोर दिया जाता है।

- यह योजना मांग पर आधारित है।
- समाज द्वारा प्रेरित हो।
- इसमें जनता की भागीदारी है।

इन क्षेत्रों पर अधिक बल :–

- स्कूल, शिक्षा के प्रति जागरूकता।
- पंचायत भवन चौपाल और धार्मिक स्थल।
- किसानों को ड्रिप इरिगेशन की सुविधा।

प्रधानमंत्री आवास योजना :–

PMAY की योजना की शुरूआत 25 जून, 2015 को हुई।

उद्देश्य :–

सन् 2022 तक सभी को घर उपलब्ध कराना है, इस योजना के तहत 20 लाख घरों का निर्माण, जिसमें 18 लाख झुग्गी–झोपड़ी वालों को 2 लाख शहरों इलाके में दिया गया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) :–

सन् 1999 में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा सर्वप्रथम स्वर्ण जंयती ग्राम स्वरोजगार योजना **(SJGY)** नाम से एक योजना चलाई गई थी। जिसका 2011 में पुनर्गठन कर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के रूप मे लागू किया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में बी0पी0एल0 परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराकर उन्हें गरीबी रेखा से बाहर लाना था। इसका नाम बढ़कर 2016 में **(NRLM)** (दीनदयाल अन्त्योदय योजना) कर दिया गया।

दिनांक 16.12.2021 द्वितीय दिवस –

द्वितीय दिवस को वार्ताकार डॉ0 नवीन सिन्हा जी, प्रचार सहायक द्वारा प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कौशल तथा प्रशिक्षण आवश्यकता विश्लेषण के बारे में विस्तारपूर्वक परिचय दिया। जिसका सक्षिप्त विवरण निम्नवत् है :–

प्रशिक्षण एक सीखने का अनुभव है, कार्यो का सही ढंग से सम्पन्न करने के लिये कर्मचारियों को जानकारी प्रदान करने की प्रक्रिया है, जिससे व्यक्तियों में कार्य के प्रति समझ, कार्यक्षमता तथा उत्पादकता में वृद्धि हो सके । प्रशिक्षण एक नियोजित प्रक्रिया है, जिससे Knowledge, Skill और Attitude में बढ़ोत्तरी होती है।

- Direct Training Skill
  1- Actual level
  2- Desired level

➢ Training Need Analysis

उपरोक्त दोनों विषय के बारे में विस्तार पूर्वक व्याख्यान तथा समूह अभ्यास द्वारा सीखाया गया।

दिनांक 17.12.2021 तृतीय दिवसः–

तृतीय दिवस को वार्ताकार डा0 सीमा राठौर जी, सहायक निदेशक द्वारा प्रशिक्षण विधि तथा तकनीकी के बारे में विस्तारपूर्वक परिचय दिया। जिनका सक्षिप्त विवरण निम्नवत् है :–

प्रशिक्षण विधि तथा तकनीकी

प्रशिक्षण विशिष्ट उपयोगी क्षमताओं से सम्बन्धित किसी भी कौशल (skills), ज्ञान (Knowledge), व्यवहार (Attitude) को सिखाता है।

प्रशिक्षण के उद्देश्य (Training Objectives)

- व्यक्तिगत उद्देश्य
- सामाजिक उद्देश्य
- संगठनात्मक उद्देश्य
- कार्यात्मक उद्देश्य

प्रशिक्षण के प्रकार (Type of Training)

- Lecture
- Group discussion
- Case Study method
- Roll Play method
- Buzz method
- Management Games

संचार (Communication)

विचारों, अवधारणाओं तथा व्यवहारों सूचनाओं को लिखित सामग्रियों' मौखिक रूप में एक–दूसरे से परस्पर अदान–प्रदान की प्रक्रिया को संचार कहते है।

संचार के प्रकार

- मौखिक संचार
- अमौखिक संचार

दिनांक 17.12.2021 तृतीय दिवस :–

तृतीय दिवस को अपरान्ह में वार्ताकार डॉ0 अशोक कुमार जी, सहायक निदेशक, द्वारा पिमरथ (सहभागी सिचांई प्रबंधन) के बारे में तथा अटल भू–जल मिशन, IEC के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। जिनका सक्षिप्त विवरण निम्नवत् है :–

पिमरथ :–

सन 2009 में एक एक्ट बना, जिसमें पानी की बर्बादी को रोकने के विषय में जागरूकता अभियान चलाया गया साथ ही जल संरक्षण के उपाय हेतु जानकारी प्रदान की गई।

उद्देश्य

- जल संरक्षण।
- किसानों को जागरूक करना।

घटक

- एकीकृत कम्प्यूटर सह प्रोजेक्ट।
- सार्वजजिक पता सूची।
- कठपुतली मास्टर।

अटल भू–जल योजना

अटल भू–जल योजना देश में 25 दिसम्बर, 2019 को जल शक्ति मंत्रालय जल संसाधन नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग एवं विश्व बैंक द्वारा आंशिक रूप से वित्त पोषित जल विभाग द्वारा संचालित की गई।

अटल भू–जल योजना के उद्देश्य

चयनित क्षेत्रों में भू–जल संसाधनों के
प्रबन्धन में सुधार करना है।

अटल भू–जल योजना की विशेषतायें

- जल प्रयोग दक्षता को बढाना।
- सिंचाई के अन्तर्गत अधिक क्षेत्र में शमिल करना।
- पानी की खपत में कमी लाने हेतु बेहतर उपाय करना।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

- राज्य स्तरीय।
- जनपद स्तरीय।
- ब्लाक स्तरीय।
- ग्राम पंचायत स्तरीय।
- लक्षित क्षेत्रों में बेहतर भू–जल की स्थिाति।
- जल जीवन मिशन के तहत क्रियाकलापों के लिये स्रोतों का टिकाउपन।

ICE व्यक्ति समुदाय और समाज के साथ काम करने की एक प्रक्रिया है, जो दृष्टिकोण के साथ सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देता है।

ICE Tools

- Mass Media
- Print Media
- Outdoor activities, Publicity
- Activities at Schools, Aangan Wadi level with Involvement of student

ICE

- राज्य स्तरीय कार्यशाला।
- जनपद स्तरीय कार्यशाला।
- ग्राम पंचायत स्तरीय।
- डिजिटल भू–जल यात्रा।
- भू–जल सुनवाई।
- भू–जल संरक्षण, जल जागरूकता।
- विद्यालय जल संरक्षण अभियान।

दिनांक 20.12.2021 चतुर्थ दिवस :–
दिनांक 20.12.2021 चतुर्थ दिवस को वार्ताकार डॉ0 नवीन सिन्हा जी, प्रचार सहायक द्वारा दृश्य–श्रव्य एड्स और प्रशिक्षण सहायक उपकरणों की समझ के बारें में विस्तार पूर्वक जानकारी दी, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नप्रकार है :–

श्रव्य दृश्य

श्रव्य–दृश्य सामग्री ऐसी शिक्षण सामग्री है जिसे देख, सुन सकते है।

उद्देश्य

- संचार प्रक्रिया में प्रशिक्षक के कौशल का सशक्तीकरण।
- ध्यान आकर्षित करना।
- अधिक रूचिकर व परस्पर संवादात्मक बनाना।

दृश्य–श्रृव्य साधनों के लाभ

- आधुनिक व विविधिता प्रदान करना।
- सीख–प्रक्रिया में अत्यधिक कुशलता लाना।
- विचारों को व्यक्त करने में सहायक।
- विषय को सरल, रूचिकर बनाना।

दृश्य–श्रृव्य साधनों से हानि

- अधिक खर्चीला।
- समय का दुरुपयोग।
- विद्युत आापूति न होने पर उपयोग मे न होना।

दृश्य–श्रृव्य सामग्रियों के बारे में सामान्य मार्गदर्शन

- क्या सामग्री आयु बुद्धिमत्ता और अनुभवों के अनुकूल है ?
- क्या सामग्री समय,व्यय और प्रयासों के अनुरुप है ?

दृश्य–श्रृव्य साधनों के चुनाव तथा निर्माण हेतु कतिपय निर्देशन

- शिक्षार्थियों का विवेचन।
- समझने में सरलता, देखने में आसानी।
- मूल बातों पर बल देना।

दृश्य–श्रृव्य साधनों के निर्माण हेतु कतिपय निर्देशन

- समय, स्थान का चुनाव सावधानीपूर्वक।
- अर्थपूण ज्ञान में सहायक।
- Visual Aid से बातें न करना।

दृश्य–श्रृव्य साधनों का वर्गीकरण

दृश्य साधन	श्रव्य साधन	दृश्य–श्रृव्य साधनों
चित्र	रेडियो	दूरदर्शन
चार्ट	पी0ए0ई0 सेट	चलचित्र
पोस्टर	टेप रिकार्डर	कम्प्यूटर

दृश्य साधन का उपयोग

- प्रभावी सम्प्रेषण के लिये अनिवार्य।
- शब्दों की स्पष्टता।
- दृश्य साधनों की विशेषता।
- देखकर– 75%
- सुनकर– 25%

दृश्य साधन कैसे हो ?

- सरल व स्पष्ट।
- समय व परिस्थिति के अनुसार शब्दों के स्थान पर Picture का प्रयोग।
- साधनों की पूर्व तैयारी।

दृश्य साधन के प्रकार

- औपचारिक
- अनौपचारिक

दिनांक 21.12.2021 पंचम दिवस :–

दिनांक 21.12.2021 पंचम दिवस को 04 वार्ताकारों द्वारा वार्ताएं प्रदान की गयी जिनका क्रमशः विवरण निम्नप्रकार है।

पंचम दिवस की प्रथम वार्ता :–

पंचम दिवस प्रथम वार्ताकार श्रीमती रंजनी मिश्रा जी, संकाय सहायक द्वारा प्रदान की गयी जिसमें सामाजिक अंकेक्षण के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत् हैः–

<u>सामाजिक अंकेक्षण</u>

- Importance of Social Audit Training के बारे में विस्तार पूर्वक सम्पूर्ण जानकारी दी।
- 15 अगस्त, 1995 से राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (N.M.A.P.) आरम्भ हुआ इस कार्यक्रम के तहत 05 योजनायें संचालित की जा रही थी परन्तु वर्तमान में उ0प्र0 में केवल 04 योजनाये ही संचालित की जा रही है।

नोडल कार्यान्वयन एजेन्सी

- सामाजिक सहायता कार्यान्वयन नाम
- नोडल कार्यान्वयन एजेन्सी
  1. इन्दिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना।
  2. राष्ट्रीय परिवार योजना लाभ।
  3. इन्दिरा गांधी विकलांग पेंशन योजना।
  4. कुष्ठ अवस्था पेंशन योजना।
  5. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना।
  6. पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिलाओं को सहायक अनुदान योजना।

  Benefit Social audit को विस्तार पूर्वक समझाया।

पंचम दिवस की द्वितीय वार्ता :–

पंचम दिवस की द्वितीय वार्ता डॉ0 रंजना सिंह जी, सहायक निदेशक द्वारा प्रदान की गयी जिसमें महिलाओं तथा नवजात शिशु की प्रशिक्षण की महत्वता के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है :–

<u>महिलाओं तथा नवजात शिशु की प्रशिक्षण की महत्वता</u>

- किशोरी बालिकाओं, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, नवजात शिशु के बारे में विस्तार से बताया।
- पोषण एवं कुपोषण के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया।
- ग्रामीण महिलाओं एवं धात्री महिलाओं एवं किशोरियों में पोषण हेतु सम्पूर्ण जानकारी दी।
- सामान्य वजन वाले भारतीय पुरूष एवं स्त्री का (R.D.A) की सम्पूर्ण जानकारी दी।

पंचम दिवस की तृतीय दिवस :–

पंचम दिवस की तृतीय की वार्ता श्री कुमार दीपक जी, सलाहकार आपदा प्रबंधन द्वारा प्रदान की गयी जिसमें आपदा प्रबंधन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नवत्

आपदा (Disaster)

आपदा अधिनियम 2005 की धारा के अनुसार आपदा का अर्थ–किसी भी क्षेत्र में प्राकृतिक या मानव निर्मित कारणों से होने वाली दुर्घटना।

आपदा के प्रकार

1. प्राकृतिक आपदा
2. मानव–निर्मित आपदा

आपदा के कारण

1. वायुमण्डल परिवर्तन
2. प्रकृति का क्षरण
3. ज्वालामुखी उद्‌गार
4. औद्योगिकरण

आपदा प्रबन्धन (Disaster Management)

आपदा प्रबन्धन उपायों की योजना, आयोजना, समन्वय और कार्यान्वयन की एक सतत् प्रक्रिया है जो किसी आपदा के जोखिम को कम करना है।

आपदा प्रबन्धन के प्रकार

- आपदा पूर्व प्रबन्धन।
- आपदा काल प्रबन्धन।
- आपदा पश्चात् प्रबन्धन।

आपदा प्रबन्धन का महत्व

आपदा प्रबंधन का महत्व यह है कि इसके द्वारा आपदाओं के प्रभाव को कुछ सीमा तक कम किया जा सकता है, जिसमें जान–मान की हानि को कम किया जा सकता है।

आपदा प्रबन्धन के उद्‌देश्य

- लोगो को सुरक्षित और जीवन, आजीविका और सम्पत्ति के नुकसान को कम करना है।
- आपदा ग्रस्त लोगों को पुर्नवासन उचित ढ़ग से करना।

दिनांक 22.12.2021 छठा दिवसः–

दिनांक 22.12.2021 छठा दिवस को वार्ताकार श्री बी0के0 सिंह जी, वरिष्ठ प्रशिक्षक द्वारा पंचायती राज व्यवस्था के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गयी उसके पश्चात् श्री बी0के0 सिंह तथा सुश्री सुमनलता जी, के द्वारा सभी विद्यार्थियों को बी0के0टी0 विकास खण्ड के कार्यालयक का क्षेत्रीय भ्रमण कराया गया, इस दौरान बी0के0टी0 विकास खण्ड ए0डी0ओ0 श्री संजय जी, द्वारा ग्राम पंचायतों, अन्त्योदय योजना तथा समुदायिक विकास कार्यक्रमों के बारें में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गयी तथा **MGNREGA** तथा **PMAY** योजनाओं से सम्बन्धित Web.site कुछ की जानकारी प्राप्त हुई जैसे –

– Nrega.nic.in.com. (मनरेगा)

– PMAYG.nic.in.com. (आवास योजना)

दिनांक 23.12.2021 सप्तम दिवस :–

दिनांक 23.12.2021 सप्तम दिवस को डॉ0 मजहर रसीदी जी का एक ''ग्रामीण सहभागी मूल्यांकन'' प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा था। जिसके प्रतिभागी कर्ता तहसीलदार, नयाब–तहसीलदार और लेखपाल थे।

अतः इस प्रशिक्षण के चलते हम लोगों को भी इस प्रशिक्षण में शामिल किया गया जिससे कि हम लोगों को भी पी0आर0ए0 तकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त करने का मौका प्राप्त हुआ। अतः इस प्रशिक्षण के द्वारा हम लोगों ने बहुत कुछ Observe किया जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :–

P.R.A.

P.R.A. एक ऐसी तकनीकी है जो ग्रामीणों की आवश्यकताओं और उनकी आकांक्षाओं का निर्धारण करने में वन कर्मचारियों तथा अन्य विकास कार्यकताओं की मदद करती है।

P.R.A. एक Data Collection की विधि ही नही बल्कि ग्रामीणों की आकांक्षाओं का निर्धारण करने, मनोवृत्ति और व्यवहार में परिवर्तन का सशक्त माध्यम है।

'' **रावल चैम्बर की किताब**'' जिसमें P.R.A. का नाम बदलकर P.L.A. (सहभागी, सीख और कार्य) इसका अर्थ है **''सीख कर कार्य करना ही परिवर्तन है''**।

ग्रामीणों के सहभाग से कार्य करने में उसका हल 80% ग्रामीण के पास है उन्होंने P.R.A. करने के 05 तरीके बताएं हैं :–

- स्थान
- समय
- प्रक्रिया
- वर्गीकरण
- सामाजिक आयाम

Note :- P.R.A. करने का सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु है कि ट्रांजेक्ट वॉक करते समय ग्रामीणों से उन्ही की भाषा में बात करने का प्रयास करना चाहिए।

अतः इस प्रशिक्षण में सर ने नि0लि0 ऑडियों विजुअल एड्स का प्रयोग किया है :–

- लेक्चर मैथेड
- व्हाइट बोर्ड
- प्रोजेक्टर

इसी बीच Training के दौरान R.K. Pandy जो इस समय 'अखिल भारतीय सांसद' के पद पर कार्यरत हैं उन्होंने हमें आपदा प्रबन्धन क्षमता संवर्धन के बारे में बताया।

आपदाएं दो प्रकार की होती है,

1. प्राकृतिक आपदा

- भूकम्प
- ज्वालामुखी
- बाढ़
- सूखा
- शीतलहर
- भूस्खलन

2. मानव जनित आपदा

- बम विस्फोट
- जनंसख्या विस्फोट
- महामारी
- मानव जनित भूस्खलन
- आग लगना
- मिट्टी का कटाव

बाढ

यह एक प्राकृतिक आपदा है जिसका पूरे भारत में बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। अतः पानी के बहाव को नदियों में बांध के जरियों इसके बहाव का कम कर सकते है जिससे कि बाढ़ से राहत मिल सकती है। ये कोई सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है बल्कि आम व्यक्ति की भी जिम्मेदारी है। जैसे :–

- अपने मकान को नदी के किनारे न बनाएं।
- किसी ऊंचे स्थान पर बनाएं।
- बाढ़ आने पर बाढ़ कंट्रोलर से सम्पर्क करें और उन्हें अपनी समस्याएं बताएं।

सूखा

यह भी एक प्राकृतिक आपदा है। जल का अत्यधिक दोहन करने से सूखा की समस्या निरन्तर बढ़ती जा रही है। सूखा महीनों या वर्षों तक रह सकता है सूखे को निम्नरूप से वर्गीकृत कर सकते है।

- 25% या इससे कम की दर पर वर्षा में कमी को सामान्य सूखा।
- 26% की कमी को मध्यम सूखा।
- 50% से अधिक की कमी को गम्भीर सूखा।

सूखे को इस प्रकार भी वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. Metrological drought
2. Agricultural drought
3. Hydrological drought
4. Sossiological drought

इस प्रकार से हम लोगों द्वारा प्रशिक्षण Observe से ज्ञात हुआ कि प्रशिक्षण में Leuture और Projecter Method प्रयोग किया गया।

दिनांक 24.12.2021 आठवां दिवस :–

दिनांक 24.12.2021 को वार्ताकार डॉ0 नवीन सिन्हा जी, वरिष्ठ अनुदेशक SIRD संस्थान द्वारा **Formulation of Trainging Programme-"Theory"** के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गयी जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है–

Formulation of Trainging Programme-"Theory"

1. SAT Cycle:- Systamitic Approach to Training

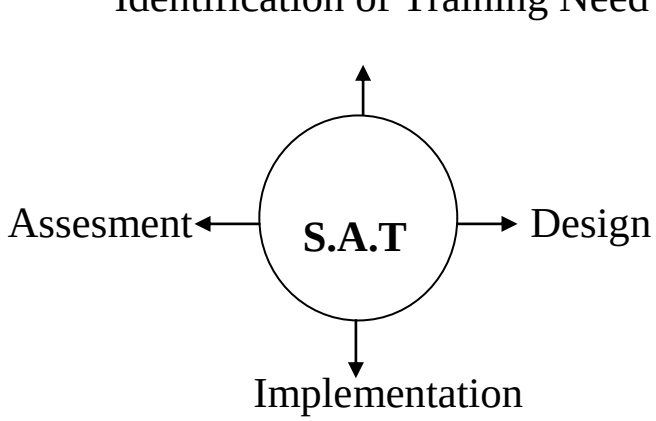

2. Learning Unit: - इसके चार भाग होते हैं –

- Objective
- Learning event
- Entry Behaviour
- Assessment

3. Feedback :-

Grving → Feedback → Receving

Training क्यों ?

- त्वरित विकास [Rapid development]
- Output Development
- कार्य या सेवा में सुधार
- समय, धन, सामान के नुकसान में कमी
- संसाधनों का बेतहर प्रयोग

दिनांक 24.12.2021 नवा दिवसः–

दिनांक 24.12.2021 नवा दिवस को वार्ताकार डॉ0 नवीन सिन्हा जी, वरिष्ठ अनुदेशक SIRD संस्थान द्वारा Design of Training के बारे में जानकारी प्रदान की गयी जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है।

Design of Training

Definition:- A Plan or schum conceived in the mind of something to be done The confession of an Idea that is to be corried in the effect by action.

Perforance:-

T	Task
A	Attitude
S	Skills
K	Knowledge

Design brief:-

1	Title
2	Cleent
3	Performance Problem
4	Training Needs
5	Constraints
6	Target Groups
7	Aim of Training
8	Benifits

Project Report Points: - "Praposal"

1. Contaxt (भूमिका)
2. Performance (कार्य निस्पादन समस्या)
3. Symptom (लक्षण)
4. Causes (कारण)
5. Avidance (प्रमाण)
6. Topic/Title of Training (शीर्षक)
7. Training Needs (ट्रेनिंग की आवश्यकता)
8. Aim of Training (ट्रेनिंग का लक्ष्य)
9. Advantage of Training (प्रशिक्षण से लाभ)
10. Claint (प्रायोजक)
11. Target Groups (लक्ष्य समूह/प्रशिक्षणार्थी)
12. Learning Unit (सीखने की इकाई)
13. Training Objective (प्रशिक्षण के उद्देश्य)

14. Entry Behaviour (प्रशिक्षण पूर्व प्रतिभागी का व्यवहार)
15. Learning Events (सीखने के क्षण)
16. Evaluation of Partcipant (प्रतिभागियों का मूल्यांकन)
17. Transfer of Learning (सीखने का हस्तांतरण)
18. Training Schedule
19. Work Plan
20. Budget
21. Learning Event
22. Training Schedule

दिनांक 28.12.2021 दसवा दिवस :–

दिनांक 28.12.2021 दसवा दिवस को वार्ताकार '' डॉ0 नवीन सिन्हा जी'' वरिष्ठ अनुदेशक SIRD संस्थान में हमें Prasentation पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। और हम लोगों को Prasentation के इन्डीविजुवल Individual Toppic प्रदान किए गए। जो निम्नवत् हैः–

Name	Toppic Name
Tarannumbanq	बाल्यावस्था में बच्चों का उचित पोषण
Anjali	राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन
Nainshi	वृद्धावस्था में सामाजिक सुरक्षा का अभाव
Amita Tripathi	''कोविड–19'' जागरूकता
Shilpi Singh	ग्रामीण किशोरियों में स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूक
Tanu Devi	Save Water
Neelam	आपदा प्रबन्धन (बाढ़ के विशेष सन्दर्भ में)
Shivani Yadav	ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा
Khusboo Pal	वायु प्रदूषण
Arti Yadav	ग्रामीण महिलाओं का सामाजिक आर्थिक विकास
Mehjbeen Jahan	महिला पंचायत पदाधिकारियों का सशक्तीकरण
Neetu Devi	ध्वनि प्रदूषण
Anamika Verma	भू–मण्डलीय ऊष्मीकरण

अतः इन Toppic के आधार पर हम लोगों Report की तैयार करवाई गई और उसी Report के आधार पर हम लोगों का Preasentation भी करवाया गया।

दिनांक 29.12.2021 ग्यारहवा दिवसः–

दिनांक 29.12.2021 ग्यारहवा दिवस को वार्ताकार ''डॉ0 आलोक कुमार कुशवाहा'' [Reseach Officer] SIRD संस्थान में "Primary and Secondary Data Daseline Data-Social Data" के विषय में विस्तार से चर्चा की जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है :–

Primary and Secondary Data

प्राथमिक तथ्य (PrimaryData) :– सामाजिक अनुसन्धान में सामाजिक अनुसन्धानकर्ता जो सूचना सामग्री या आंकड़े वह स्वयं एकत्र करता है या अपने सहयोगी अनुसन्धान कताओं के सहयोग से एकत्र करता है तो यह सूचना, सामग्री या आंकड़े प्राथमिक तथ्य कहलाते है।

प्राथमिक तथ्य एकत्र करने की विधियाँ

- वैयक्तिक सर्वेक्षण
- डाक द्वारा सर्वेक्षण
- टेलीफोन साक्षात्कार
- ऑनलाइन सर्वेक्षण

द्वितीयक तथ्य (Secondary Data) :– वह Data जिसका संकलन पहले से किसी अन्य व्यक्ति या संस्था द्वारा किया जा चुका हैं और अनुसन्धानकर्ता उनकों ही अपने प्रयोग में लाता है। **यहां वह संग्रहण नही करता बल्कि किसी अन्य उद्देश्य के एि संकलित सामग्री को ही प्रयोग में लाता है।**

द्वितीयक समंकडो के प्रयोग में समकों (Data) के मौलिक संकलन की समस्या उत्पन्न नहीं होती है। अतः इसका संग्रहण नहीं उपयोग किया जाता है।

द्वितीयक तथ्य एकत्र करने विधियां

प्रकाशित स्रोत	अप्रकाशित स्रोत
सरकारी प्रकाशन	अर्द्ध सरकरी संस्थान
कमेटी और उपभोगों का प्रकाशन	गैर सरकारी
निजी प्रकाशन	सार्वजानिक प्रतिष्ठान
अर्न्तराष्ट्रीय प्रकाशन	विश्व विद्यालय
आयोग व समितियों की रिपोर्ट	वेबसाइट

प्रश्नावली तैयार करते समय ध्यान रखने योग्य बातें।

1. अन्वेषक परिचय तथा उद्देश्य।

2. प्रश्नों की उपयुक्त संख्या।
3. प्रश्न छोटे एवं स्पष्ट।
4. प्रश्नों का क्रम तर्कसंगत।
5. प्रश्नों के लिए निश्चित निर्देश।
6. अनुसन्धान से सम्बन्धित प्रश्न।

Baseline Data

"Baseline Data" (आधार भूत डेटा) वह डेटा है जो बाद की तुलना के लिए परियोजना शुरू होने से पहले की स्थितियों को मापता है, दूसरे शब्दों में वेबसाइट परियोजना निगरानी और मूल्यांकन के अगले चरणों के लिए ऐतिहासिक संदर्भ बिन्दु प्रदान करती है।

Purpose-

- Fromulative the stude Purpose अध्ययन उद्देश्य तैयार करना।
- Literature review साहित्य समीक्षा
- Setting Study objective अध्ययन का उद्देश्य निर्धारित करना।

Principal :- बेसलाइन डाटा के सिद्धान्त SMART होने चाहिए स्मार्ट का अर्थ है।

S ——— Spicific (विशिष्ट)
M ——— Measurable (औसत दर्जे का)
A ——— Achievable (प्राप्त)
R ——— Realistice (वास्तविक)
T ——— Time Framed (सीमित समय)

दिनांक 30.12.2021 बारहवा दिवसः—

दिनांक 30.12.2021 बारहवा दिवस को वार्ताकार श्री आर0के0 श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्रशिक्षक SIRD संस्थान के द्वारा के Participatory Rural Appraisal बारे में जानाकरी प्रदान की गयी जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है।

Participatory rural appraisal(P.R.A.)

Deflinition:- सहभागी ग्रामीण आकलन एक ऐसा दृष्टिकोण है जिसका उद्देश्य योजना में ग्रामीण लोगों के ज्ञान और विकल्प को शामिल करना होता है। P.R.A. एक ऐसी तकनीक है जो ग्रामीणों की आवश्यकताओं की प्राथमिकताओं और उनकी आकांक्षाओं का निर्धारण करने विकास कार्यकर्ताओं की मदद करती है।

Objective:-

- ग्रामीणों की प्राथमिकताएं जानना।
- उन्नतिशील देशी तकनीकों की जानकारी।
- समुदाय एवं समूहों की आवश्यकता का प्रत्यक्ष ज्ञान।

P.R.A. के प्रमुख सिद्धान्त

- **भागीदारी** :— स्थानीय लोग डेटा संग्रह और विश्लेषण में भागीदारों की सेवा करते है।

- **टीम वर्क** :– बाहरी और आन्तरिक पुरूष और महिलाएं।
- **लचीलापन** :– मानकीकृत पद्धति नहीं उद्देश्य संसाधनों कौटाल समय पर निर्भर करती है।

Why P.R.A.

- प्रत्यक्ष/नवीनतम जानकारी का पता लगाने के लिए।
- ग्रामीण के विचार जानने/समझने के लिए।
- स्थानीय स्थिति/परिस्थितियों को जानने के लिए।

Advantages of P.R.A.

- नवीनतम जानकारी।
- लोगों की पसंद/नापसंद
- Build onerships
- Gritical Information

Pre-requisites to conduct P.R.A.

- भागीदारी
- समुदाय के सदस्यों के लिए सम्मान।
- सुनों लेक्चर न दो।

Needs of P.R.A.

- सामाजिक सूचनाओं के एकत्रिकरण में।
- ग्रामीण स्वयं ही निराकरण के योग्य हो जाते है।
- सर्वेक्षध के लम्बे एवं महंगे तरीके से बचा जा सकता है।
- सस्ती, सही व समय से सूचना प्राप्त हो जाती है।
- पक्षपात की सम्भावना कम होती है।

Defferent Technigues of P.R.A.

- गांव का सामाजिक मानचित्र (Social Mapping)
- संसाधन मानचित्र (Resource Map)
- समय रेखा (Time Line)
- रैंकिंग (Ranking)
- ट्रांजेक्ट वॉक (Transact walk)

P.R.A. करने जाने पर ध्यान देने योग्य बाते

- एक बार में एक से अधिक प्रश्न न पूछे।
- ग्रामवासियों द्वारा दिये गये जलपान सम्बन्धी आग्रह हो स्वीकार करे।
- सभी प्रश्नों के उत्तरों को लिखते है।
- आकारण विचार–विमर्श न बढ़ाएं।
- टॉपिक में बदलाव सावधानी पूर्वक करे।

दिनांक 31.12.2021 तेरहवां दिवस :–

दिनांक 31.12.2021 तेरहवां दिवस को वार्ताकर ''डॉ0 विनीता सिंह और श्री प्रतिमेश तिवारी'' SIRD संस्थान में "Formulation for Baseline Survey" के विषय विस्तार पूर्वक चर्चा की और Survey के Toppic भी Select किए गए। जो इस प्रकार है।

1. ग्रामीण किशोरियों में किशोरावस्था के प्रति जागरूकता।
2. स्नातक एवं परास्नातक स्तर की युवतियों मे अपराध के प्रति भय के कारण।
3. ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण में स्वयं सहायता समूह की भूमिका।

उपरोक्त सर्वे विषय के आधार पर हम लोगों को प्रश्नावली कैसे बनाई जाती है। जिस पर विस्तारित चर्चा की गई।

दिनांक 03.01.2022 चौदहवां दिवसः–

दिनांक 03.01.2022 चौदहवां दिवस को ''डॉ0 विनीता सिंह और श्री प्रतिमेश तिवारी'' SIRD संस्थान के निर्देशन में सभी विद्यार्थियों/प्रतिभागी ने दिये गये तीनों लघुशोधों के लिए प्रश्नावली तैयार की गयी।

दिनांक 04.01.2022 से 06.01.2022 लघुशोध अध्ययन हेतु क्षेत्रीय कार्य सम्पादित किया गया जिसका विवरण निम्नवत् हैः–

दिनांक 04.01.2022 को डॉ0 विनीता सिंह, शोध सहायक तथा श्री प्रतिमेश तिवारी जी, शोध सहयुक्त, के निर्देशन में बी0के0टी0 ब्लाक के ग्राम पंचायतों की महिलाओं से साक्षात्कार कर **''ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण में स्वयं सहायता समूह की भूमिका''** विषयक लघु शोध की प्रश्नावली भरवाने का कार्य किया गया।

दिनांक 05.01.2022 को डॉ0 विनीता सिंह, शोध सहायक तथा श्री प्रतिमेश तिवारी जी, शोध सहायक, के निर्देशन में बख्शी का तालाब इण्टर कालेज में जाकर 10–19 वर्ष की किशोरियों से सात्क्षाकार कर **''ग्रामीण किशोरियों में किशोरावस्था के प्रति जागरूकता का स्तर''** विषयक लघु शोध की प्रश्नावली के फार्म भरवाने का कार्य किया गया।

दिनांक 06.01.2022 को डॉ0 विनीता सिंह एवं श्री प्रतिमेश तिवारी जी, के निर्देशन में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस महिला महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ की स्नातक परास्नातक की युवतियों से साक्षात्कार कर **''स्नातक एवं परास्नातक स्तर की युवतियों में अपराध के प्रति भय के सामाजिक कारण''** विषयक लघु शोध प्रश्नावली भरवाया गया।

दिनांक 07.01.2022 से 13.01.2022 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थी/प्रतिभागियों को तीन लघु शोध क्रमशः **''ग्रामीण महिलाओं संशक्तीकरण में स्वयं सहायत समूह की भूमिका''**, **''ग्रामीण किशोरियों में किशोरावस्था के प्रति जागरूकता का स्तर''** तथा **''स्नातक एवं परास्नातक स्तर की युवतियों में अपराध के प्रति भय के सामाजिक**

कारण'' को करने का दायित्व प्रदान किया गया था। लघु शोध अध्ययन हेतु क्षेत्र में जाकर एकत्र किये गये प्राथमिक आंकड़ों की कोडिंग करना, सारणी बनना, विश्लेषण कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का कार्य डॉ0 विनीता सिंह, श्री प्रतिमेश तिवारी जी निर्देशन व सहयोग से किया गया।

दिनांक 14.01.2022 को सभी विद्यार्थियों/प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम से क्या–क्या सीखा इसके मूल्यांकन के लिए विद्यार्थियों हेतु एक परीक्षा सम्पादित की गयी तथा सभी विद्यार्थियों/प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण के दौरान किये गये लघु शोधों तथा प्रशिक्षण प्रतिवेदन की ड्राफ्ट रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत की उसके उपरान्त श्री अनुज श्रीवास्तव उप निदेशक महोदय के द्वारा परीक्षाफल घोषित किया। समापन दिवस दिनांक 15.01.2022 के स्थान पर औपचारिक रूप से दिनांक 24.01.2022 को करने तथा उक्त दिनांक तक ड्राफ्ट रिपोर्टो को अन्तिम रूप प्रदान कर जमा करने के निर्देश देते हुए यह अवगत कराया गया कि महानिदेशक तथा अपर निदेशक, महोदय द्वारा सभी विद्यार्थियों को दिनांक 24.01.2022 को प्रमाण–पत्र तथा ग्रुप फोटो प्रदान किया जायेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम कैमरे की दृष्टि से

प्रशिक्षण कार्यक्रम का ग्रुप फोटो

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का औपचारिक रूप से प्रारम्भ करते हुए श्री अनुज श्रीवास्वत एवं डॉ0 शिवानी

वार्ता प्रदान करते हुए श्रीमती नीरजा गुप्ता उप निदेशक, संस्थान।

वार्ताकार डॉ0 नवीन सिन्हा एवं डॉ0 विनीता सिंह

डॉ0 नवीन सिन्हा जी वार्ता प्रदान करते हुए

डॉ0 रंजना सिंह, सहायक निदेशक, द्वारा वार्ता

श्री कुमार दीपक द्वारा आपदा प्रबन्धन के बारे में चर्चा करते हुए

विद्यार्थियों/प्रतिभागियों द्वारा अभ्यास कार्य करते हुए

प्रतिभागी अभ्यास कार्य सीखते हुए

प्रस्तुतीकरण करते हुए

वार्ताकार डॉ0 सत्येन्द्र गुप्ता, सहायक निदेशक,

विद्यार्थियों/प्रतिभागियों द्वारा समूह अभ्यास

श्री बी0के0 सिंह वरिष्ठ प्रशिक्षक वार्ता प्रदान करते हुए

बी0के0टी0 विकास खण्ड कार्यालय के क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ए0डी0ओ0 श्री संजय जी, द्वारा वार्ता प्रदान करते हुए।

स्वयं सहायत समूह की महिलाओं से वार्ता करते हुए

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से प्रश्नावली भरवाते हुए

बी0के0टी0 इंटर कालेज के विशेष संदर्भ में किशोरियों में किशोरावस्था में जागरूकता का स्तर हेतु क्षेत्रीय कार्य

बी0के0टी0 इंटर कालेज की किशोरियों से प्रश्नावली भरवाते हुए

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय के विषय सदंर्भ में क्षेत्रीय कार्य

स्नातक एवं परास्नातक की युवतियों से प्रश्नावली भरवाते हुए

प्रशिक्षण कार्यक्रम के परीक्षाफल की घोषणा करते हुए श्री अनुज कुमार श्रीवास्तव उप निदेशक एवं श्री अलोक कुशवाहा शोध अधिकारी

Training for Post Graduate (Home Science) Final Year Student

Participants List

S. No.	Name of Participants	Father/Husband/ Mother Name	DOB	Address	E-mail	Mob. No.	Category
1	Amita Tripathi	Sri. Bimal Kumar Tripathi	05-04-94	Akbarpur, Mall Lucknow	tripathiamita052@gmail.com	9956807156	Gen
2	Aarti Yadav	Sri. Ram Chandra Yadav	04-02-99	ManpurSarara Kala Kamlapur Sitapur	artiyadav9339@gmail.com	8081840740	OBC
3	Tarannum Bano	Mo. Hakeem	12-12-99	Sonikpur, Itaunja, Lucknow	Tarannumbano912@gmail.com	9936786905	OBC
4	Neetu Devi	Sri. Sarda Prasad	26-07-99	Jagat Vihar Colony, Faizullaganj, Lucknow	kr.neetuyadav01@gmail.com	7703899300	OBC
5	Anamika	Sri. Vijay Shankar Verma	02-07-96	Mohalla Thana Tehsil Biswan Sitapur	avanamikaverma1996@gmail.com	8604979108	OBC
6	Khushbu Pal	Sri. Kamesh Pal	02-01-02	Krishna Lok Nagar Faizullaganj, Lucknow	khusboopal@gmail.com	9807644630	OBC
7	Nainshi Gupta	Sri. Shiv Kumar Gupta	18-12-00	Ataria, Sidhauli, Sitapur		6392004253	OBC
8	Mehjbeen Jahan	Sri. Fakruddeen	15-10-98	Lalpurva Jugunoopur Dhaurahara Kheri Near- Aziz Nagar Madiyaon Lucknow	mehjusiddiqui423@gmail.com	6307739754	OBC
9	Shilpi Singh	Sri. Rajesh Singh	20-06-00	Jankipuram Extension, Ayush Vihar Colony Lucknow	s.singh40815@gmail.com	7318289198	Gen
10	Tanu Devi	Mr. Rampratap Awasthi	18-07-99	Faizullaganj dwarikapuri Lucknow	awasthitanu12@gmail.com	9453203659	Gen
11	Anu Mishra	Mr. G.P. Mishra	02-12-97	L-1/214/B Priyadarshini Coloni Sitapur Rod Lucknow	mishra424@gmail.com	9450110370	Gen
12	Shivani Yadav	Sri. Rajesh Yadav	17-04-99	Kaudiyamau Post Behta Kursi Road Lucknow	tiyayadav66@gmail.com	7518069592	OBC
13	Saroj Paal	Sri. Shivbaran Pal	10-08-00	Alaipur Post Parewa, Sidhauli, Sitapur	sarojpalsp5@gmail.com	9696601752	OBC
14	Anjali	Ramesh	07-07-99	Itaunja, Lucknow	anjaligautam@gmail.com	8303031718	SC
15	Neelam	Sri. Om Prakash	10-11-95	H.No.-288 Vill-Fattepur, Kushmaha Post-Darhan Nagar, Ayodhya	shakya.c249@gmail.com	9210357892	SC